

बातचीत

प्र. गेरिला स्थानों की पूर्ति करो।

उ) तमन्ते शोभा हम बहुत रामय बाद मिलो।

आ) अच्छा शोभा तुम्हारे विद्यालय में हिंदी कोन पढ़ते हैं?

इ) मैं मौसी के शाश कशी कभी उनके घर जाता हूँ।

ई) शामको में एक घोट खेलना हूँ।

उ) मैं खो-खो खेलती हूँ।

क) मस्तिष्क का व्यायाम भी आवश्यक है।

प्र.) एक-एक ताक्ष में ठलर लिखें।

उ) शोभा किस कक्षा में पढ़ती है?

शोभा छठी कक्षा में पढ़ती है।

आ) शोभा का विद्यालय कहाँ पे है?

शोभा का विद्यालय प्रथान डाकघर के पास है।

ई) तरुण किसके पास पढ़ने के लिए रहता है?

तरुण गैर्ल्स में अपने गामा के पास पढ़ते के लिए रहता है।

उ) शोभा को हिंदी कोन पढ़ाता है?

शोभा को हिंदी वरदाजी पढ़ती है।

उ) तरुण वरदाजी को कैसे जानता है?

वरदाजी तरुण के मौसी की शहेजी है। तरुण मौसी के शाश

कशी कभी वरदाजी के घर पर जाता है। उसीलिए तरुण

वरदाजी को जानता है।

ऊ) तरुण शामको क्या क्या करता है?

उ) तरुण शामको एक घोट खेलने जाता है।

र) अंताधारी खेलने से क्या होता है?

अंताधारी खेलने से मसिष्क का व्यायाम होता है। याद करने की समस्या बढ़ती है।

प्र. ३) नमुने के अनुसार गवाह बदलो।

ताइ सुबह र्सेर करने जाती है।

ताइ शत को देर तक नहीं जागती।

ओ) शोभा अंताधारी खेलती है। (तुकाधूपी)

शोभा तुकाधूपी नहीं खेलती।

आ) नक्कल मासानी के पास रहता है। (मासी)

नक्कल माँ के पास नहीं रहता।

इ) बरदानी हंडी पढ़ती है। (मशानी)

बरदानी मशानी नहीं पढ़ती।

छ) दिदी पढ़ाई करती है। (खेलना)

दिदी खेलते नहीं जाती।

प्र. ४) कोटक में ही हुयी किंगड़ों की सहायता से चिम्प ब्यानों की पूर्ति करें।

सुलिंग

ओ) मैं खाना खाता हूँ। (खाना)

आ) मैं पढ़ाई करता हूँ। (करना)

इ) नुस कागज पे लिखते हैं। (लिखना)

छ) वह किकेर खेलता है। (खेलना)

सुलिंग

ओ) मैं खेड़ो खेलती हूँ। (खेलना)

आ) मैं छठी कक्षा में पढ़ती हूँ। (पढ़ना)

उ) वह बड़ोंकी बोते सुनती है। (सुनना)

श) नुम करना करती हो। (करना)

प्र. 5) दिल्ली गए वाक्योंमें से कियाए अद्वैतिकता के फैलावे लिखें।

आ) तरवाजी नहीं पढ़ती है। पढ़ती है।

आ) वे बदूत अच्छी बोते करती है। करती है।

उ) मैं खो-खो खेलती हूँ। खेलती हूँ।

उ) गोदा मैं के शाश आगा बनाती है। बनाती है।

उ) नमण उपना काम अदृष्टि करता है। करता है।